सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 17 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 306, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड राहुल गांधी में राजनीति के जरूरी गुण नहीं दिखतेः... » Pg02

जारी रहेगी विकास यात्रा, हम लकीर के फकीर नहीं बन सकते

» Pg12

निहत्थे छात्रों की हत्या का ट्रिब्यूनल ने माना दोषी

फैसलाः पूर्व पीएम शेख हसीना को सजा-ए-मौत!

हिंसा में मारे गए थे 1400 प्रदर्शनकारी, सजा के बाद ढाका में भड़की हिंसा, ऐक्शन में यूनुस सरकार, देश में हाई अलर्ट

बांग्लादेश में बढ़ी टेंशन

» ढाका (बांग्लादेश), एजेंसी।

बांग्लादेश के अंतराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने मानवता के विरुद्ध कथित अपराधों के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सज़ा सुनाई है। अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहरा दिया है। इससे बांग्लादेश सहित पूरी दुनिया में खलबली मच गई है। उनके बारे में 17 नवंबर 2025 को सुनाए गए 458 पेज के फैसले में कोर्ट ने उन्हें जुलाई 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह के दौरान निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवाने का मुख्य जिम्मेदार बताया। हसीना अगस्त 2024 से भारत में निर्वासन में हैं, उनकी अनुपस्थिति में ट्रायल चली। यूनुस सरकार के वकीलों ने फांसी की सजा की मांग की, यह कहते हुए कि हसीना के खिलाफ 1400 से ज्यादा आरोप हैं। अगर उन्हें सजा न मिली तो उन हजारों मृतकों के साथ अन्याय होगा। सजा के बाद ढाका में हिंसा भड़क उठी है। इसको लेकर यूनुस सरकार ऐक्शन में है और विभिन्न जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए हसीना का ऑडियो जारी किया

यह फैसला महीनों लंबे ट्रायल के बाद आया, जिसमें अभियोजन पक्ष ने वायरल ऑडियो, गवाह और मानवाधिकार रिपोर्ट्स पेश कीं। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए हसीना का वह ऑडियो जारी किया, जिसमें वे पुलिस प्रमुख से लोगों पर गोलियां चलाने का आदेश दे रही थीं। प्रथम आलोचक जैसे मीडिया ने इसे लाइव दिखाया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में, 15 जुलाई से 15 अगस्त 2024 तक 1400 से ज्यादा लोग मारे गए थे। कोर्ट ने इसे सिस्टेमैटिक हिंसा करार दिया। हसीना ने 2024 के शुरू में जनवरी चुनाव में विपक्ष को कुचल दिया। अवामी लीग की सरकार ने विपक्षी दलों को दबाया, जिससे छात्र सड़कों पर उतर आए। जुलाई में शुरू हुए प्रदर्शन हिंसक हो गए। पुलिस ने लाइव गोलियां चलाईं, हजारों गिरफ्तारियां हुईं। हसीना ने इसे आतंकवाद बताया, लेकिन कोर्ट ने पाया कि वे ही मास्टरमाइंड थीं। फैसले में कहा गया कि जनवरी 2024 के बाद हसीना तानाशाह बनने की राह पर थीं। उन्होंने पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को भी आरोपी बनाया। अल-मामून ने कोर्ट में हसीना के खिलाफ गवाही दी, जिससे ट्रायल तेज हुआ। हत्याएं, जबरन गायब करना, यातनाएं देने का उन पर आरोप लगाया। कोर्ट ने इन्हें साबित पाया। हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने चेतावनी दी कि अगर अवामी लीग से बैन न हटाया तो फरवरी चुनाव में हिंसा हो सकती है। लेकिन पीड़ित परिवारों ने कोर्ट के बाहर नारे लगाए, फांसी दो, न्याय दो! मीर मुग्धो के भाई ने कहा, लोगों ने अगस्त 2024 में ही फैसला सुना दिया था।

बांग्लादेश के पूर्व गृहमंत्री को भी फांसी की सजा

बांग्लादेशी प्राधिकरण ने पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमालको भी फांसी की सजा सुनाई है। वहीं पुलिस चीफ को 5 साल जेल की सजा सुनाई गई है। शेख हसीना और तत्कालीन गृहमंत्री दोनों ही इस समय भारत में हैं। वहीं केवल पुलिस चीफ अभी हिरासत में हैं। उन्होंने कथित रूप से कोर्ट के सामने अपना अपराध कबूल कर लिया है।

आगे की राह मुश्किल...

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कल बारिशाल में मीडिया से बातचीत में बताया कि सरकार न्यायाधिकरण के फैसले पर बिना किसी देरी के अमल करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या दोषी पाए जाने पर दोषी अपील दायर कर सकते हैं? द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, अभियोजक तमीम ने कहा कि एक भगोड़ा, फरार रहते हुए अपील करने के अधिकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर करने के लिए दोषी को या तो गिरफ्तार होना होगा या आत्मसमर्पण करना होगा। उन्होंने कहा कि अपील फैसले के 30 दिनों के भीतर दायर की जानी चाहिए, और कानून के अनुसार अपीलीय प्रभाग को अपील दायर होने के 60 दिनों के भीतर उसका निपटारा करना होगा। शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं। बांग्लादेश सरकार के रुख को देखते हुए शेख हसीना की आगे की राह बेहद मुश्किल नजर आ रही है।

फैसला पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरितः हसीना

न्यायाधिकरण के फैसले को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मेरे खिलाफ सुनाए गए फैसले एक धांधली वाले न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए हैं, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है। वे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित हैं। शेख हसीना ने कहा कि आईसीटी में कुछ भी अंतरराष्ट्रीय नहीं है; न ही यह किसी भी तरह से निष्पक्ष है।

शेख हसीना की धुर विरोधी ने किया फैसले का स्वागत

शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी विरोधी खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने इसका स्वागत किया है। बीएनपी ने कहा कि यह न्याय की दिशा में एक कदम है। बीएनपी की नेता शमा ओबैद ने कहा कि तथ्य और साक्ष्य पहले ही स्पष्ट थे। इसे संयुक्त राष्ट्र के जांच किए गए रिपोर्ट से भी समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि यह सभी को पता है कि कहां से यह आदेश आए थे।

देखते ही गोली मारने का आदेश

मोहम्मद यूनुस की सरकार ने इस दौरान हिंसा, आगजनी करने वालों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया है। दरअसल, बांग्लादेश हिंसा को अभी 1 साल ही पूरे हुए थे, कि देश की राजधानी ढाका में एक बार फिर अफरा-तफरी मच गई है। कई जगहों पर बम विस्फोट के बाद लोग दहशत में हैं। ढाका में हिंसक प्रदर्शन लगातार तूल पकड़ रहा है। अब आलम यह है कि पुलिस ने हिंसक प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी कर दिया है। पुलिस ने ढाका में कई जगहों पर बम धमाके की पुष्टि की है।

राहुल गांधी में राजनीति के जरूरी गुण नहीं दिखते: डॉ. दिनेश शर्मा

बिहार की जीत के बाद अब पश्चिम बंगाल की बारी है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राज्यसभा सांसद और पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कानपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर सीधा हमला बोला। शहर में एक निजी होटल में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी में राजनीति के जरूरी गुण नहीं दिखाई देते।

डॉ. शर्मा ने कहा कि बिहार चुनाव में कांग्रेस ने जनता के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने अफवाहों को नकारते हुए भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा निडर होकर जनता के मुद्दों पर काम करती है और जनता उसका सही मूल्यांकन करती है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज करेगी। डॉ. शर्मा के अनुसार, बिहार की जीत के बाद अब पश्चिम बंगाल की बारी है और भाजपा वहां भी बेहतर परिणाम देगी। कार्यक्रम में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद का गर्मजोशी से स्वागत किया और बिहार विजय का जश्न मनाया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का जिक्र भी किया।

पत्रकारों से बातचीत करते डा. दिनेश शर्मा

तालबद्ध कदमों के साथ अनुशासन और एकता का दिया संदेश

» सेंट मेरीज़ कॉन्वेंट हाई स्कूल में वार्षिक खेलकूद व पी.टी. डिस्प्ले का आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेंट मेरीज़ कॉन्वेंट हाई स्कूल कैंट में प्राइमरी और प्री-प्राइमरी वर्गों की वार्षिक खेलकूद एवं पी.टी. डिस्प्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईएएस अलका उपाध्याय व विशेष अतिथि आयुक्त ग्रामीण विकास विनायक सिंह के स्वागत के साथ हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर प्रभा ने अतिथियों को विद्यालय के विविध गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक मार्च पास्ट से हुई, जिसमें हाउस कैप्टन के नेतृत्व में छात्राओं ने तालबद्ध कदमों के साथ अनुशासन और एकता का संदेश दिया। क्लास प्लेग्रुप से तीसरी तक की छात्राओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। कक्षा 1 व 2 की छात्राओं ने 'फूड एवं न्यूट्रीशन' पर प्रस्तुति देकर स्वस्थ खानपान का संदेश दिया। कक्षा 3 व 4 की छात्राओं ने नाट्य रूपांतर के माध्यम से स्वच्छ वातावरण और माता-पिता के प्रति बच्चों के प्रेम को भावपूर्ण तरीके से व्यक्त किया

कक्षा 5 की छात्राओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बीच संतुलन बनाते हुए आत्मनिर्भर बनने का प्रेरक संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की एथलीट छात्राओं ने 400 मीटर, 200 मीटर एवं 100 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए।टोपाज़ सदन ने मार्च पास्ट में पहला स्थान हासिल किया, जबकि रूबी सदन को चैम्पियनशिप ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय की 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रकाशित होने वाली वार्षिक पत्रिका का लोकार्पण भी मुख्य अतिथि अलका उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या सिस्टर प्रभा ने सभी छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

महोबा: धोखे और भय के बीच फंसी युवती का दर्दनाक अंत

» दहेज केस की जांच बनी जाल, मजबूरी का फायदा पुलिस कर्मी ने उठाया, मौत का शिकार हुई किरन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

महोबा। यूपी के महोबा जिले में दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराने गई एक विवाहित महिला यह कभी नहीं जानती थी कि न्याय की तलाश में उठाया गया कदम ही उसकी जिंदगी को एक दर्दनाक मोड़ पर पहुँचा देगा। महोबा जिले में सामने आई यह दिल दहला देने वाली घटना न सिर्फ पुलिस तंत्र पर सवाल खड़े करती है, बल्कि महिलाओं की मजबूरी, विश्वास और उनके साथ होने वाले छल का भयावह चेहरा भी उजागर करती है।

आरोपी इंस्पेक्टर अंकित यादव

सीआरपीएफ में तैनात विनोद की पत्नी किरन सिंह घर में दहेज को लेकर मानसिक तनाव झेल रही थी। इंसाफ पाने की उम्मीद में उसने कबरई थाने में शिकायत की। लेकिन जांच अधिकारी बने 2023 बैच के सब-इंस्पेक्टर अंकित यादव ने कानून की रक्षा की बजाय उसी महिला की मजबूरी को अपना हथियार बना लिया।

जानकारी के मुताबिक, जांच के दौरान अंकित ने किरन के घर-परिवार की स्थिति, उसके अकेलेपन और मजबूरी का फायदा उठाते हुए उससे नजदीकी बढ़ानी शुरू कर दी। किरन, जो पहले ही मानसिक दबाव से जूझ रही थी, धीरे-धीरे अंकित के जाल में फंसती चली गई। लेकिन ये रिश्ता एकतरफा लालसा और दबाव पर टिका था, जिसमें किरन की भावनाओं, इज्जत और सुरक्षा का कोई स्थान नहीं था।

किरन ने समय बीतने के साथ अंकित से दूरी बनाने की कोशिश की, पर उसी ने धमकियों का सहारा लेकर उसे डराना शुरू कर दिया।किरन लगातार भय, तनाव और असुरक्षा में जी रही थी।न इंसाफ मिल पा रहा था, न ही वह उस जाल से बाहर निकल पा रही थी जिसे बनाने वाला वही व्यक्ति था जो उसकी शिकायत की जांच कर रहा था।

12 नवंबर की रात विश्वासघात की चरम सीमा पार

घटना वाली रात किरन और अंकित के बीच विवाद बढ़ा। आरोपी उसे सुनसान इलाके में ले गया। पानी पीने के बहाने कार से नीचे उतरी किरन को यह अंदाजा भी नहीं था कि उसके विश्वास का जवाब मौत के रूप में मिलेगा।अचानक अंकित ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार किया।

एक नहीं, कई वार,और किरन ने वहीं दम तोड़ दिया। यह सिर्फ हत्या नहीं थी यह एक मजबूर महिला के विश्वास, सुरक्षा और उम्मीद की बेरहमी से हत्या थी।

आरोपी एसआई गिरफ्तार, पुलिसकर्मी का काला चेहरा उजागर

पुलिस ने आरोपी एसआई अंकित यादव को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त रॉड बरामद कर ली है। अंकित की पृष्ठभूमि ने मामले को और चर्चाओं में डाल दिया है। उसके पिता स्वयं पुलिस विभाग में कार्यरत हैं और परिवार प्रयागराज में रहता है।

कानून की रखवाली की शपथ लेने वाला एक पुलिसकर्मी अपनी ही शक्ति का दुरुपयोग करके एक महिला की कमजोरी और डर का फायदा उठाता रहा, यह तथ्य समाज में गहरी चोट छोड़ रहा है।

किरन के परिजनों में आक्रोश-'धोखे से की गई हत्या, इंसाफ चाहिए'

किरन के परिवार ने इसे सोची-समझी साजिश और विश्वासघात बताकर आरोपी को कठोरतम सजा देने की मांग की है। उनके मुताबिक, किरन न्याय के लिए पुलिस के पास गई थी, लेकिन वहीं उसके धोखे और डर का फायदा उठाकर उसकी जान ले ली गई। ऐसे लोगों का सरकारी सिस्टम से भरोसा उठ जाएगा।

शाहीन नेटवर्क की खुल रहीं परतें

» जीएसवीएम के तीन बर्खास्त डॉक्टर भी गए थे सऊदी

» सऊदी अरब में सात साल नौकरी कर लौटे डॉक्टर

» अब एजेंसियां खंगाल रहीं बैंक खातों से लेकर संपर्क सूत्र

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दिल्ली बम धमाकों की साजिश में संलिप्त रही डॉ. शाहीन के बाद जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से बर्खास्त तीनों डॉक्टरों के विदेश जाने की पुष्टि के साथ जांच एजेंसियों की सतर्कता और बढ़ गई है। इनमें शामिल डॉ. हामिद अंसारी, जो इस समय कानपुर देहात के राजकीय मेडिकल कॉलेज में तैनात हैं, ने बताया कि वह, डॉ. हफीजुल रहमान और डॉ. निसार अहमद नौकरी के लिए सऊदी अरब गए थे, जहां उन्होंने करीब सात साल तक जजान यूनिवर्सिटी और निजी अस्पतालों में काम किया।

वर्ष 2021 में शासन द्वारा बर्खास्त किए गए इन तीनों डॉक्टरों के विदेश जाने के कारणों की गहन जांच की तैयारी की जा रही है। एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि कहीं इन यात्राओं का संबंध शाहीन या आरिफ के नेटवर्क से तो नहीं है।

शाहीन और डॉ. मोहम्मद आरिफ मीर की व्हाइट कॉलर टेरर नेटवर्क की जांच में कई नए नाम और लोकेशन सामने आ रहे हैं। एजेंसियां शाहीन के बैंक खातों, सैलरी अकाउंट और पेचबाग क्षेत्र के संदिग्ध अकाउंट की जांच कर रही हैं। इसके साथ ही बर्खास्त तीन डॉक्टरों के खातों की भी पड़ताल शुरू हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार चमनगंज, बेकनगंज के अलावा जाजमऊ, काकादेव और रावतपुर क्षेत्रों में भी डॉ. शाहीन का नेटवर्क सक्रिय था। शाहीन अशोक नगर स्थित किराए के मकान के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं वह स्कूली छात्रों को बरगलाने की कोशिश तो नहीं कर रहा था।

नेपाल नेटवर्क ध्वस्त

कानपुर: तीन अंतरराष्ट्रीय वाहन चोर गिरोह पकड़े, तेरह गाड़ियां बरामद

एक महीने की निगरानी, तकनीकी जाल और लगातार दबिश से मिली सफलता

» तेज-तर्रार आईपीएस सुमित रामटेके की अगुवाई में पुलिस की बड़ी कार्रवाई।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। शहर और हाईवे पर आतंक का पर्याय बने वाहन चोरों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर रविवार को पुलिस ने सबसे बड़ा प्रहार किया। तीन अलग-अलग गिरोहों के 11 सदस्यों को दबोचते हुए क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीम ने वह रैकेट तोड़ दिया, जो चोरी किए गए दोपहिया वाहनों को बहराइच बॉर्डर के रास्ते नेपाल में खपाता था। कार्रवाई में 13 चोरी के वाहन, टी-हैंडल, मास्टर चाबियां और लॉक तोड़ने के उपकरण बरामद हुए जो गिरोह के पेशेवर तरीकों की पुष्टि करते हैं। लेकिन इस पूरी सफलता की सबसे मजबूत कड़ी वह अधिकारी रहे, जिनके नेतृत्व में पूरा ऑपरेशन खड़ा हुआ। इस हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन को कानपुर कमिश्नरेट के तेज़-तर्रार युवा आईपीएस अधिकारी सुमित रामटेके लीड कर रहे थे।

स्वराज इंडिया संवाददाता से बातचीत में सुमित रामटेके ने बताया हम पिछले लगभग एक महीने से इस नेटवर्क पर लगातार काम कर रहे थे। तकनीकी निगरानी, टीमों की गुप्त तैनाती और रूट मैपिंग के बाद गिरोह की पूरी चैन तोड़ना संभव हुआ। श्री रामटेके ने क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीम को कई उप-टीमें बनाकर जिम्मेदारी सौंपी। रात में गश्त की विशेष प्लानिंग, हॉट स्पॉट की पहचान और बहराइचङ्कनेपाल मार्ग की बैक-ट्रेसिंग इस ऑपरेशन की कुंजी रही। अधिकारियों के मुताबिक, गिरोह के मोबाइल पैटर्न, लोकेशन बदलने की आदत और चोरी से पहले की रेकी को समझने में कई रातें लग गईं।

रेलबाजार, गोविंदनगर व फजलगंज तीन थानों से ग्यारह शातिर चोर अरेस्ट

शहर के तीन इलाकों से वाहन चोरों की गिरफ्तारी ने यह स्पष्ट किया कि गिरोह न सिर्फ एक्टिव था, बल्कि अलग-अलग क्षेत्रों में समानांतर रूप से काम कर रहा था। हर टीम ने अपने-अपने सेक्टर में दस्तक दी और एक साथ दबिशें डालकर गिरोह की रीढ़ तोड़ दी।

मिनटों में लॉक तोड़ने की आर्ट, नेपाल में खपाते थे माल

गिरफ्तार आरोपियों की उम्र 18-29 वर्ष के बीच है, जबकि नेपाल रूट संभालने वाला वरिष्ठ सदस्य 42 वर्षीय अबरार अंसारी था। पुलिस सूत्रों की माने तो वाहन का लॉक तोड़ने में इन्हें 40 सेकेंड से ज्यादा नहीं लगते थे। फिर नकली नंबर प्लेट लगाकर वाहन को आगे बढ़ा दिया जाता था। नेपाल में चोरी की बाइकें और बुलेट बेचकर मोटा माल कमाते थे।

इन वाहनों की हुई बरामदगी

गिरफ्तार किए गए चोरों के कब्जे से 8 बाइक, 2 बुलेट मोटरसाइकिल, 3 स्कूटी, टी-हैंडल, मास्टर चाबी, एनएलकी और पुरानी चाबियों का सेट।

टेक-ड्रिवन पुलिसिंग की अद्भुत मिसाल

संयुक्त पुलिस आयुक्त विनोद कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि कानपुर पुलिस की यह कार्यवाही हाल के वर्षों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। जेसीपी ने ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि तकनीक आधारित पुलिसिंग के कारण इस गैंग तक पहुँच संभव हो सकी।

इधर पुलिस महकमे में चर्चा है कि पूरे ऑपरेशन ने युवा आईपीएस सुमित राम टेके की कार्यशैली को एक बार फिर प्रभावी ढंग से रेखांकित किया है। उनकी धारदार रणनीति, त्वरित कार्रवाई और परिणाम केंद्रित कार्यशैली ने इस मामले में अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने अभियान के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। वहीं गिरोह के नेपाल कनेक्शन सहित अन्य संभावित संपर्कों की जांच निरंतर जारी है।

...जहां रहे, अपनी छाप छोड़ गए आईपीएस सुमित सुधाकर रामटेके

कानपुर कमिश्नरेट में तैनाती के बाद आईपीएस सुमित सुधाकर रामटेके ने हर पड़ाव पर अपनी अलग पहचान कायम की। शहर में कदम रखते ही उन्हें पहली कमान बिल्हौर सर्किल की मिली। शुरुआती दिनों में क्षेत्र की नब्ज़ को परखा, हर बारीकी को समझा और फिर ऐसी रणनीतिक, सटीक व तेज़ कार्रवाई की जिससे कि अपराधियों में खौफ़ फैल गया। कई अपराधी क्षेत्र छोड़कर भागे, कई कानून की गिरफ़्त में आए और कुछ पुलिसकर्मी भी राइट टाइम हो गए। बिल्हौर में रहते हुए उन्होंने ऐसे गुडवर्क किए, जो आज भी मिसाल के तौर पर याद किए जाते हैं। लगातार एक्शन, तुरंत निर्णय लेने की क्षमता और अपराध पर तीखी नज़र इन सबने उनकी कार्यशैली को जमीन पर साबित किया।

बिल्हौर के बाद कानपुर शहर के कई महत्वपूर्ण सर्किलों की कमान उनके हाथों में रही। हर जगह उन्होंने ताबड़तोड़ अभियान चलाए, संगठित अपराध से लेकर स्थानीय अपराध पर सटीक प्रहार किए। तेज-तर्रार अंदाज़ और बिना लाग-लपेट के काम करने की शैली ने उन्हें जनता से लेकर सिस्टम तक हर जगह एक भरोसेमंद अधिकारी के रूप में स्थापित किया। कानपुर कमिश्नरेट से लेकर प्रदेश स्तर तक वरिष्ठ अधिकारियों की गुड लिस्ट में आईपीएस सुमित सुधाकर रामटेके का नाम मज़बूती से दर्ज है।

ये अभियुक्त भेजे गए जेल

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में सैय्यद फैजल पुत्र स्व. अब्दुल शकूर निवासी पुरानी चुंगी तेल मिल चौराहा जाजमऊ उम्र 29 वर्ष, मुरली निषाद पुत्र स्व. रामऔतार निवासी 17 चिड़ियाघर चौराहा पहलवान पुरवा थाना नवाबगंज उम्र 23 वर्ष, फ़ैसल पुत्र राशिद निवासी 573/18 मैफ़द नगर गोरा क़ब्रिस्तान थाना रेलबाजार उम्र 20 वर्ष, रेहान खान पुत्र मोहम्मद रईस निवासी देहली सुजानपुर मंगल विहार थाना चकेरी उम्र 21 वर्ष, काजी फैज़ पुत्र काजी इसरार निवासी 182/82 अटल बिहारी नगर थाना कोतवाली जिला उन्नाव हाल पता 127/82 निराला नगर थाना किदवई नगर कानपुर, जगजोत सिंह पुत्र अजीत निवासी फ्लैट 103 विजयश्री अपार्टमेंट बर्रा-2 थाना बर्रा स्थायी पता बी-ब्लॉक 124/32 गोविन्द नगर उम्र 20 वर्ष, जीतू पुत्र हनुमान प्रसाद निवासी 1425 कच्ची बस्ती डीवीएस कॉलेज के पास थाना गोविन्द नगर उम्र 18 वर्ष, शिवम शास्त्री पुत्र अमरेन्द्र निवासी 53- ई डब्ल्यू एस बर्रा-7 थाना बर्रा उम्र 27 वर्ष, आर्यन निषाद पुत्र पंकज निषाद निवासी 498 ई डब्ल्यू एस थाना बर्रा उम्र 18 वर्ष, हर्षित सैनी पुत्र रामगोपाल सैनी निवासी मेहरवान सिंह का पुरवा पिपौरी गांव थाना गुर्जनी उम्र 18 वर्ष, अबरार अंसारी पुत्र मेहदी हसन निवासी परमपुरवा कच्ची बस्ती इंडेन गैस एजेंसी के पास थाना जूही मूल पता ग्राम हैडी पकड़िया थाना महरुआ जिला अम्बेडकरनगर उम्र 42 वर्ष शामिल हैं।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

05

कानपुर,सोमवार 17 नवंबर , 2025

सम्पादकीय

एडिक्शन छुड़ाने को केरल में खुले क्लीनिक

कोरोना संकट ने जहां ऑनलाइन शिक्षा के जरिये छात्रों को पढ़ाई का कारगर विकल्प दिया, तो वहीं छात्र-छात्राओं को डिजिटल एडिक्शन का शिकार भी बना दिया। मां-बाप को लगता था कि बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई में व्यस्त हैं, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चे ऑनलाइन गेम की लत के शिकार बने हुए थे। हाल के दिनों में पढ़ाई के माध्यमों और जीवनशैली में बदलाव के चलते बच्चे तेजी से डिजिटल लत के शिकार होने लगे हैं। मगर उन्हें ये सब सामान्य लगता था। यदि मां-बाप उन्हें इससे रोकते हैं, तो टोका-टाकी उन्हें बर्दाश्त नहीं होती है।

उनका व्यवहार आक्रामक भी होने लगता है। कहीं-कहीं तो मां-बाप की सख्ती के बाद छात्रों के आत्महत्या करने के मामले भी सामने आए। केरल में सिर्फ पलक्कड़ में चार साल के भीतर 41 बच्चों द्वारा आत्महत्या करने के दुखद समाचार आए, जिसने प्रशासन और अभिभावकों की नींद उड़ा दी।

डिजिटल लत से बच्चों को मुक्त करने के लिए केरल सरकार ने नई पहल की। पलक्कड़ में छह डि-एडिक्शन सेंटर शुरू किए हैं, जिनमें बच्चों की काउंसलिंग की जाती है।

यहां मौजूद साइकोलॉजिस्ट लत के शिकार बच्चों का इंटरनेट एडिक्शन टेस्ट करते हैं, जिससे पता लगाया जाता है कि लत का स्तर क्या है। जिसके आधार पर उनकी काउंसलिंग की जाती है। इसके लिए जहां कुछ एक्सरसाइज करायी जाती हैं, वहीं दूसरी रचनात्मक गतिविधियों से इसे छुड़ाने की कोशिश की जाती है। इस दौरान एक-एक घंटे के दस-पंद्रह सेशन कराये जाते हैं। दरअसल, डिजिटल लत के शिकार बच्चों को यह बताना कठिन होता है कि वे डिजिटल लत के शिकार हैं। वे मानने को तैयार ही नहीं होते कि वे कुछ असामान्य कर रहे हैं। उनके लिये यह व्यवहार सामान्य घटनाक्रम है।

लेकिन डि-एडिक्शन सेंटर में काउंसलिंग और कुछ सेशन के बाद उन्हें लगता है कि कुछ गड़बड़ जरूर है। दरअसल, सोशल मीडिया का जाल हमारे समाज का ग्रास इतनी तेजी से कर रहा है, बच्चों को लगता ही नहीं कि वे कुछ असामान्य कर रहे हैं। जिसके चलते किशोर, इससे रोकने पर आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। कुछ मामलों में वे अवसादग्रस्त होने लगते हैं या फिर उनके मन में आत्महत्या के विचार आने लगते हैं।

यह सुखद है कि पलक्कड़ में पिछले दो साल में साढ़े बारह सौ बच्चों को डिजिटल लत से मुक्ति दिलायी गई है। बच्चे मानसिक रूप से खुद को स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। दरअसल, आज जरूरत इस बात की है कि स्कूलों में शिक्षक व अभिभावक पढ़ाई और इंटरनेट के प्रयोग में संतुलन बैठाने का प्रयास करें। सही मायने में यह संकट सिर्फ केरल के किसी एक जिले का ही नहीं है, यह संकट पूरे देश का है। जिसको लेकर केंद्र सरकार को यथाशीघ्र नीति बनाने और डि-एडिक्शन सेंटर खोलने की जरूरत है। इस दिशा में केंद्र व राज्यों के सहयोग से सकारात्मक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। इस कार्य में स्वयंसेवी संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

तिरस्कार से मतदाता ने दिया विपक्ष को संदेश

ज्योति मल्होत्रा

जैसा कि बिहार ने दिखाया है और चुनाव दर चुनाव स्पष्ट रहा है, भाजपा की जीत की भूख पर कभी कोई संदेह नहीं रहा। शायद विपक्ष को उस किताब से सीख लेने के बारे में विचार करना चाहिए, जिसे उसका राजनीतिक दुश्मन पिछले कुछ समय से पढ़ रहा है।बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत, तेजस्वी यादव के राजद को सजा और कांग्रेस पार्टी का सफाया निश्चित तौर पर तय था। एक और बात स्पष्ट है। राहुल गांधी को कोलंबिया जाकर बस जाना चाहिए या किसी अन्य दक्षिण अमेरिकी देश में, जहां वे बिहार चुनाव प्रचार के बीच सफेद कुर्ता-पायजामा और काली बंडी जैकेट में फबकर घूमते दिखाई दिए थे। हिंदी में - और पंजाबी में भी- एक शब्द है बिहारी, इसका अभिप्राय उपेक्षित से कुछ अधिक और हेय से कुछ कम लिया जाता है, गत सप्ताह की शुरुआत में कांग्रेस के खिलाफ वोट देते वक्त यह मतदाताओं के मन में जरूर रहा होगा।

तिरस्कार। हिकारत। हमें हल्के में मत लीजिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो हम आपको आपकी जगह दिखा देंगे, एक ऐसी पार्टी को वोट देकर, जिसके बारे में हमने शायद सोचा हो या नहीं भी। बिहार में, मतदाता कांग्रेस -यानी राहुल गांधी- के प्रति इतनी गुस्से से भर गए कि उन्होंने इस सबसे पुरानी पार्टी को छह सीटों तक सीमित कर दिया। डेढ़ साल पहले हुए लोकसभा चुनावों के बाद से यह कांग्रेस की लगातार चौथी हार है - हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद। भारतीय राजनीति की त्रासदी यह है कि राहुल को जवाबदेह होने, दक्षिण अमेरिका न जाने या दीवार पर लिखी इबारत को समझना मंजूर नहीं है -यह कि उन्हें पद छोड़ देना चाहिए और खुद अपनी पार्टी में लोकतंत्र की उस हवा को बहने देना चाहिए, जिसके बारे में बात करना उन्हें बहुत पसंद है।। तरनतारन और बडगाम, दोनों जगहों पर मतदाताओं ने कहा है कि हमें हल्के में मत लीजिए। तरनतारन में, जो गर्म राजनीति का केंद्र रहा है, नाराज़ पंजाबी मतदाता ने अपने कुछ संदेश भेजे हैं। पहला,उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनावों से 15 महीने पहले सत्तारूढ़ 'आप' को चेतावनी संकेत दे दिया है। दूसरा, 'आप' उम्मीदवार जीत तो गया, लेकिन अकाली दल के प्रत्याशी ने उसे करारी टक्कर दी है - भले ही इस पर एक राय न हो कि पंजाब की राजनीति में क्या इसे अकाली दल की वापसी माने या नहीं, क्योंकि पार्टी ने 2020 में केंद्र सरकार द्वारा कृषि कानून लागू करने पर, एनडीए से नाता तोड़ने के बाद से, अपना जादू खो दिया है, 2022 के विधानसभा चुनावों में अकाली दल ने केवल तीन सीटें जीतीं थीं, तो 2024 के लोकसभा चुनावों में सिर्फ एक सीट पर सिमट गई और तब से गुटबाजी में घिरी हुई है। तीसरा, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि अकाली उम्मीदवार सुखविंदर कौर ने अलगाववाद परस्त राजनीतिक संगठन 'वारिस पंजाब दे% (डब्ल्यूपीडी) द्वारा समर्थित उम्मीदवार को पीछे छोड़ दिया ङ्क उसका प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहा। सनद रहे, डेढ़ साल पहले ही खालिस्तान समर्थक डब्ल्यूपीडी ने लोकसभा में दो सीटें जीती थीं - एक पर इंदिरा गांधी के हत्यारे का बेटा विजयी रहा, जबकि दूसरी सीट का विजेता विद्रोह के प्रयास के लिए जेल में है। इसलिए अगर तरनतारन अब मध्यमार्ग की लीक पर लौट रहा है, तो अकाली दल निश्चित रूप से दोहरी श्लाघा और पीठ थपथपाने का हकदार है।चौथा, तरनतारन ने कांग्रेस के साथ घोर अपमानजनक भरा बर्ताव किया है ङ्क जिसके ओहदेदारों को यकीन है कि वे उस राजगद्दी के नैसर्गिक हकदार हैं, जब पंजाब के लोग बहुत जल्द 'आप' को विदा कर देंगे। फर्क सिर्फ इतना है कि जहां कांग्रेस उम्मीदवार की जमानत जब्त हुई वहीं भाजपा पांचवें स्थान पर रही, इस तसल्ली के साथ कि हमने भी दौड़ में हिस्सा लिया।

फैसले से पहले बांग्लादेश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई

राजनीतिक तनाव चरम पर

ज्वाला सिंह दास

बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराधों पर विशेष न्यायाधिकरण के फैसले से पहले देशव्यापी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अभियोजन पक्ष ने हसीना के लिए मौत की सजा की मांग की है, जबकि ढाका में पुलिस को हिंसक प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दिया गया है, जिससे राजनीतिक तनाव चरम पर है। यह फैसला हसीना की अनुपस्थिति में सुनाया जाएगा, जो आरोपों से इनकार करती हैं और इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं। बांग्लादेश रविवार को देर रात हुए विस्फोटों और बढ़ती अशांति से दहल उठा, क्योंकि अधिकारी अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) के फैसले से पहले बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

पिछले साल छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह पर सैन्य कार्रवाई के मामले में दोषी पाए जाने पर उन्हें मौत की सजा हो सकती है।न्यायाधिकरण पिछले साल के घातक जुलाई विद्रोह से जुड़े मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों पर अपना फैसला सुनाने वाला है। अभियोजकों ने हसीना के लिए मौत की सजा की मांग की है, जो अभी भारत में हैं। उन पर और उनके सह-आरोपी, पूर्व गृह मंत्री, असदुज्जमां खान कमाल पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया। । इस बीच, हसीना ने कहा कि अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घबराएं नहीं। हसीना के लिए मौत

की सजा की मांग दोहराई अभियोजन पक्ष ने रविवार को हसीना के लिए मौत की सजा की मांग दोहराई। बांग्लादेश का अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) सोमवार को 78 वर्षीय हसीना के खिलाफ फैसला सुनाएगा। इस मामले की सुनवाई उनके गैर हाजिर रहने के दौरान हुई। आईसीटी-बीडी के अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने संवाददाताओं को से कहा, ''हमने हसीना के लिएयथासंभव अधिकतम सजा की मांग की है। इसके अतिरिक्त, हमने दोषी की संपति जब्त करने और उसे (पिछले साल के प्रदर्शन के दौरान) शहीदों और घायलों के परिवारों में वितरित करने का अनुरोध किया है।''तमीम ने कहा कि आईसीटी-बीडी कानून हसीना को उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग में फैसले को चुनौती देने से तब तक रोकेग, जब तक कि वह आत्मसमर्पण नहीं कर देतीं या फैसले के बाद 30 दिन के भीतर गिरफ्तार नहीं कर ली जातीं। सरकारी समाचार एजेंसी 'बांग्लादेश संगबाद संस्था' (बीएसएस) की खबर के मुताबिक, गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा, ''देश भर में अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अपनी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।'' फैसले से पहले कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर तनाव पैदा होने के बीच बीजीबी की तैनाती के अलावा, ढाका में पुलिस को हिंसक प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दिया गया है। स्थानीय अखबारों की खबर के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) आयुक्त एसएम सज्जात अली ने कहा, ''मैंने वायरलेस पर संदेश दिया कि जो कोई भी बसों में आग लगाए या जान से मारने के इरादे से देसी बम फेंके, उसे गोली मार दी जानी चाहिए। हमारे कानून में यह अधिकार स्पष्ट रूप से दिया गया है।''हसीना, उनके गृह मंत्री असद-उज-जमां खान कमाल और तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर पिछले वर्ष सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध करने का आरोप है। इनमें हत्या, हत्या की कोशिश, प्रताड़ित करना और अन्य अमानवीय कृत्य शामिल हैं। न्यायाधिकरण ने 10 जुलाई को तीनों के खिलाफ आरोप तय किए थे।

8 दिन बाद पटना से बरामद हुई यूनिवर्सिटी की दोनों लापता छात्राएं

कल्याणपुर पुलिस ने बंगाल, झारखंड, तेलंगाना से लेकर पटना तक खंगाले कई शहर

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय से आठ दिन पहले रहस्यमयी तरीके से लापता हुई बीबीए द्वितीय वर्ष की दोनों छात्राएं आखिरकार सकुशल मिल गई हैं। कल्याणपुर पुलिस ने दोनों को पटना के इंडस्ट्रियल एरिया से बरामद कर लिया। छात्राओं के मिलने से पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

बीते शनिवार को दोनों छात्राएं विश्वविद्यालय गेट से लापता हो गई थीं। दोनों के बैग कैंपस के पार्क में मिलने के बाद मामला और गंभीर हो गया। जांच के दौरान उनकी आखिरी मोबाइल लोकेशन झकरकटी बस अड्डे पर मिली थी। इसके बाद पुलिस ने उनकी सीडीआर रिपोर्ट के आधार पर बंगाल, जमशेदपुर, हैदराबाद, रांची और पटना तक लगातार पीछा किया। कई दिनों

की तलाश के बाद कल्याणपुर पुलिस टीम को सफलता मिली और दोनों छात्राएं पटना के इंडस्ट्रियल एरिया में मिलीं। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे स्वजन की डांट से आहत होकर घर से निकल गई थीं। उनका कहना था कि वे कुछ बनकर ही वापस लौटना चाहती थीं और पैसे कमाने के लिए शहर छोड़ दिया। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि दोनों छात्राओं को बयान लेने के बाद उनके परिजनों को सुरक्षित सौंप दिया गया है। पुलिस अब आगे की आवश्यक कार्यवाही कर रही है।

छात्रों ने दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

» उत्कर्ष नर्सिंग कॉलेज में विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूकता रैली

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर उत्कर्ष नर्सिंग कॉलेज द्वारा विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजेश ने किया। रैली की शुरुआत मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश जैन और थाना सेन पश्चिम पारा के थाना प्रभारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में विद्योतमा, डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी, डॉ. यशस्वानी त्रिवेदी तथा नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या इंदिरावती चतुर्वेदी मौजूद रहीं। संचालन संजय मिश्रा ने किया।

इस वर्ष विश्व मधुमेह दिवस की थीम फ्डायबिटीज अक्रॉस लाइफ स्टेजेसफ्र रही, जिसके तहत विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने जनसमुदाय को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय-समय पर शुगर जाँच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने मार्ग में पोस्टर और नारेबाजी के माध्यम से मधुमेह के बढ़ते मामलों के प्रति जागरूकता फैलाते हुए रोकथाम संबंधी संदेश दिए।कॉलेज प्रशासन का मानना है कि मधुमेह आज तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती है, ऐसे में समाज को जागरूक करना समय की आवश्यकता है। रैली के सफल समापन पर भारतीय जनता पार्टी कानपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष उपेन्द्र पासवान ने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को धन्यवाद दिया।इस आयोजन ने समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति सजग करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की, जिसे स्थानीय नागरिकों ने भी सराहा।

हर जरूरतमंद की मदद करेगी सोसाइटी

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। नेहरू नगर स्थित एक गेस्ट हाउस में रविवार को ग्लोबल कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी की 13वीं वार्षिक बैठक हुई। इसमें समिति के सदस्यों ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। वहीं, सदस्यों ने कहा कि शहर के सभी जरूरतमंदों के लिए सोसाइटी हर समय उपलब्ध रहेगी। इस मौके पर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, सचिव अरशान राशिद सिद्दीकी, माजित इरशाद, अब्दुल रशीद, उमेश खंडेलवाल, अब्दुल वहीद, शैलेंद्र सिंह, नीलम, सिमरजीत कौर, आकांक्षा आदि मौजूद रहे।

बेकाबू रफ्तार कार पलटने से कारोबारी की मौके पर मौत

» समारोह से लौटते वक्त सिंहपुर के पास मंटोरा फार्म हाउस के सामने हुआ हादसा

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। बिठूर थानाक्षेत्र में रविवार देर रात उस समय दर्दनाक हादसा हो गया जब पारिवारिक समारोह से लौट रहे कारोबारी की कार अचानक अनियंत्रित होकर सडक़ के डिवाइडर से भिड़ गई और पलट गई। हादसा रात करीब दो बजे सिंहपुर स्थित मंटोरा फार्म हाउस के सामने हुआ। कार में सवार जवाहर नगर निवासी 58 वर्षीय नरेश मिश्रा, जो सरकारी कैंटीन के सप्लायर थे, की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी शालिनी मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गईं।

जानकारी के अनुसार दंपती बिठूर के लवकुश वाटिका में आयोजित पारिवारिक समारोह में गए थे

और रात तकरीबन दो बजे घर लौट रहे थे। तभी अचानक वाहन ने नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार कार डिवाइडर पर चढ़ते हुए पलट गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार क्षतिग्रस्त होकर सडक़ पर उलट गई और नरेश मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलने पर बिठूर थाना प्रभारी प्रेमनारायण विश्वकर्मा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हादसा पूरी तरह कार के अनियंत्रित होने के कारण हुआ। गंभीर रूप से घायल शालिनी को तुरंत एलएलआर अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने स्वजन को सूचना देकर आवश्यक विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

लोकप्रियता...

बिहार विधानसभा चुनाव में

योगी आदित्यनाथ की छवि और दमदार हुई

»लखनऊ/पटना। स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सबसे प्रभावी नेता के रूप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उभरकर सामने आए हैं। चुनावी नतीजों में एनडीए गठबंधन को मिली स्पष्ट बढ़त के पीछे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे का असर माना जा रहा है, वहीं योगी आदित्यनाथ की आक्रामक और जमीनी शैली भी निर्णायक साबित हुई।चुनाव प्रचार के दौरान योगी आदित्यनाथ ने बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में 31 जनसभाएं और 1 रोड शो किया। वे दरभंगा, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, बेगूसराय, पूर्णिया, सहरसा जैसे महत्वपूर्ण जिलों में पहुंचे, जहां उनकी सभाओं में भारी भीड़ उमड़ी। स्थानीय स्तर पर माना जा रहा है कि योगी की लोकप्रियता और उनकी छवि ने एनडीए उम्मीदवारों को खास फायदा पहुंचाया। कई विधानसभा क्षेत्रों में उनका प्रचार सीधे-सीधे जीत में तब्दील हुआ।

बिहार चुनाव 2025 के परिणामों ने योगी आदित्यनाथ को एक राष्ट्रीय स्तर के प्रभावी स्टार प्रचारक के रूप में स्थापित किया है।

उनकी छवि अब सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं, बल्कि बिहार समेत कई राज्यों की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने वाली बन चुकी है।

विकास, सुरक्षा और हिंदुत्व– तीन बिंदुओं पर योगी का फोकस

अपनी रैलियों में योगी आदित्यनाथ ने विकास, कानून-व्यवस्था, गरीब कल्याण और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उनके भाषणों की शैली तेजतर्रार होने के साथ-साथ स्थानीय मतदाताओं की भावनाओं को भी सीधे छूने वाली रही। यही कारण रहा कि जहां-जहां योगी पहुंचे, वहां एनडीए को बढ़त हासिल हुई।

भाजपा और जेडीयू दोनों दलों के स्थानीय नेताओं का मानना है कि इस बार बिहार चुनाव में योगी आदित्यनाथ की 'सख्त प्रशासक' और 'ईमानदार नेता' वाली छवि ने बड़ा

असर छोड़ा। जनता के बीच उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में उभर रही है जो प्रशासनिक सख्ती और धार्मिक-सांस्कृतिक जुड़ाव दोनों को साथ लेकर चलता है। इससे एनडीए के समर्थन आधार को मजबूती मिली।

» योगी आदित्यनाथ की आक्रामक और जमीनी शैली भी निर्णायक साबित हुई

» योगी ने बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में 31 जनसभाएं और 1 रोड शो किया

महागठबंधन पर असर नहीं डाल सकीं अखिलेश की रैलियां

वहीं, महागठबंधन की ओर से अखिलेश यादव ने छह बड़ी सभाएं कीं, लेकिन उनकी अपील मतदाताओं पर उतना प्रभाव नहीं डाल सकी। जिन क्षेत्रों में उन्होंने प्रचार किया, वहां भी एनडीए का प्रदर्शन बेहतर रहा। इससे यह भी साफ हुआ कि बिहार में स्टार प्रचारकों के बीच योगी आदित्यनाथ की पकड़ अधिक मजबूत रही।

नतीजों ने दर्ज कराई छवि की पुष्टि एनडीए को 124ङ्क146 सीटों तक की बढ़त के अनुमान और प्रमुख सीटों पर मिली जीत ने यह साबित कर दिया कि योगी आदित्यनाथ न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि बिहार की राजनीति पर भी असर डालने वाले नेता बन चुके हैं। उनकी मौजूदगी ने भाजपा-जेडीयू गठबंधन को अतिरिक्त बढ़त दिलाई।

जैनपुर गद्दा फैक्ट्री में भीषण आग लाखों के नुकसान का अनुमान

» मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने कहा कोई जनहानि नहीं हुई

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना अकबरपुर क्षेत्र के जैनपुर स्थित बनारअलीपुर बाबा आनंदेश्वर मोल्ड फैक्ट्री में रविवार देर रात भयावह आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी गद्दा फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया आसमान में उठती लपटों और धुएं को देखकर स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि रात लगभग 11 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। फायर ब्रिगेड की कई गाडियां मौके पर भेजी गईं उन्होंने बताया कि घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन फैक्ट्री में रखे करीब 15,000 गत्ते आग की चपेट में आकर जल गए। एक गत्ते की कीमत लगभग 4 हजार रुपये बताई जाती है, जिसके चलते लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट या घर्षण से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। फैक्ट्री मालिक से घटना के संबंध में बात करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग अचानक इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोगों ने दूर से ही लपटें उठती देखीं।

सडक़ चौड़ीकरण के काम पर दो साल से लगा ब्रेक, अफसरों को नहीं दिख रहा

10 दुकाने बनी योगी सरकार की रफ्तार पर ब्रेक, हाइकोर्ट के आदेश का हवाला या सुस्ती का बहाना

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी को विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए योगी सरकार लगातार परियोजनाओं का मॉनिटरिंग कर रही है, लेकिन विकास प्राधिकरण (एडीए) और पीडब्ल्यूडी के कुछ अफसरों की सुस्ती सरकार की मंशा को ही पलीता लगा रही है। लता मंगेशकर चौक से अयोध्या-गोंडा पुराने पुल तक केवल 300 मीटर सडक़ चौड़ीकरण का कार्य दो वर्षों से अधर में लटका है। दो-दो दीपोत्सव आयोजित हो चुके हर बार अफसरों ने चौड़ीकरण पूरा कराने की प्रतिबद्धता दिखाई। पर दीपोत्सव खत्म और अफसरों का जोश ठंडा। नतीजा परियोजना फिर फाइलों में दफन।

इस बाबत पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता का कहना है कि हमारा सिर्फ 15 दिन का काम बचा है। एडीए 10 दुकानों का विस्थापन करा दे, हम 15 दिन में सडक़ बना देंगे। लेकिन विकास प्राधिकरण के अफसर हाईकोर्ट के 'नियमित अधिग्रहण' आदेश का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचते दिख रहे हैं। जबकि सच यह है कि 6 महीने में भी अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू तक नहीं हुई, जबकि सामान्यत- 3 महीने में यह कार्य पूरा हो जाता है। एडीए के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार किया अधिग्रहण समय पर हो सकता था, विभाग दिलचस्पी ही नहीं ले रहा, इसी कारण परियोजना धरातल पर नहीं उतर पा रही। योगी सरकार समीक्षा पर समीक्षा कर रही है, डेडलाइन दे रही है, लेकिन एडीए और पीडब्ल्यूडी के कुछ 'सुस्त' अफसर 300 मीटर सडक़ को मानो पहाड़ बनाकर खड़े हैं। अयोध्या के विकास के बीच यही 300 मीटर सडक़ अब सवाल बनकर खड़ा है क्या सरकार की गति तेज है या अफसरों की नींद?

...आखिर कब बंद होगा मिट्टी का अवैध खनन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील मूसानगर क्षेत्र में रात में ट्रैक्टर व जेसीबी से मिट्टी का अवैध खनन का कारोबार किया जा रहा है। जिला प्रशासन बेबस साबित हो रहा है। बताते चलें कि मूसानगर थाना क्षेत्र के बड़े पैमाने पर हो रहा मिट्टी का अवैध खनन और परिवहन विभाग के जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते फल फूल रहा है। खनन माफियाओं का अवैध कारोबार खनन माफिया पुलिस व लेखपाल से लेकर तहसील के अधिकारियों की अनदेखी के चलते मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है बिना परमिशन के ही मिट्टी खनन कर गांव की उपजाऊ भूमि को तालाब बना रहे हैं।

यूपी सरकार हो या केंद्र सरकार सभी के निर्देशों की जमकर खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अवैध खनन से संबंधित सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि स्वराज इंडिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता

» मूसानगर में सीएम के निर्देशों की जमकर उड़ रही धज्जियां

» अवैध मिट्टी खनन से संबंधित वायरल वीडियो में दिखी सच्चाई

क्या बोले उपजिलाकारी.

एसडीएम देवेंद्र सिंह ने बताया है कि अवैध मिट्टी खनन के बाबत जानकारी मिली है, जल्द ही कार्यवाही की जायेगी।

है। जानकारी के अनुसार चपरेहटा से जेसीबी व ट्रैक्टर ट्रॉली से मिट्टी का अवैध खनन लगातार किया जा रहा है।

महज एक किलोमीटर दूर ही प्लाटों की पुराई जोरो से की जा रही है।

स्थानीय प्रशासन की नाक के नीचे चल रहे और खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। जिम्मेदार

अधिकारी व पुलिस मौन क्यों खनन माफिया के द्वारा दिन-रात जेसीबी मशीन लगाकर मिट्टी का अवैध खनन ट्रैक्टर ट्राली से किया जा रहा है। अफसर को मिट्टी भरे ट्रैक्टर और ट्राली का वीडियो बनाकर अफसरों को भी भेज दिया गया। अब अफसरों की कार्यवाही का इंतजार किया जा रहा है। माफिया सरकार की आंखों में धूल झोंक रहे हैं।

आरोग्य मंदिर की सफाई का ख्याल रखने का दिया निर्देश

नोडल अधिकारी डॉ विकास ने निरीक्षण कर सभी व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए कहा

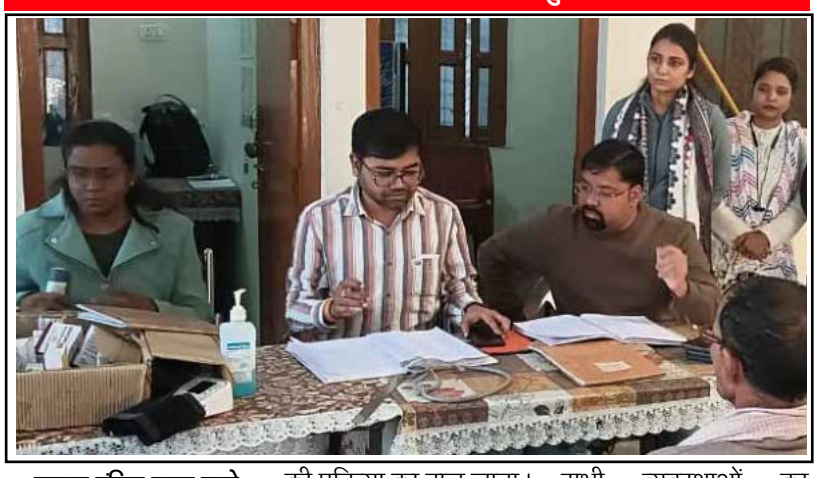

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नोडल अधिकारी डॉक्टर विकास कुमार ने रविवार को नगरीय स्वास्थ्य केंद्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का जायजा लिया। उन्होंने अभिलेखों व दवा वितरण की प्रक्रिया का हाल जाना। साथ ही साफ सफाई दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। पटेल चौक स्थित नगरीय स्वास्थ्य केंद्र के आरोग्य मंदिर में नोडल अधिकारी ने अभिलेखों के साथ साथ स्टोर कक्ष, वार्ड कक्ष, कंप्यूटर कक्ष समेत सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं आरोग्य मंदिर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर सौम्या ने 25 मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की। इस मौके पर अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

गुजराई में होगा भव्य रामलीला का पारंपरिक आयोजन

» आयोजकों ने कहा 50 हजार लोग आते हैं यहां

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विगत 65 वर्षों से निरंतर हो रही दो दिवसीय रामलीला का इस वर्ष भी मार्ग शीर्ष की चौदस और अमावस्या को आयोजन किया जा रहा है। गुजराई और भवानी पुरवा के निवासियों के लिए बड़े देव बाबा का ऐतिहासिक एवं प्राचीन मेला एवं उसी दिन धनुष भंग एक उत्सव की तरह है। उत्तर प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों के द्वारा मंचित रामलीला में बेहद कड़ा अनुशासन और नैतिक मूल्यों का समावेश रहता है।

बाहर से आए हुए दर्शकों को अतिथि का दर्जा देकर राम के आदर्शों की रक्षा करने का दैवीय प्रण संपूर्ण गांव वासियों के रोम रोम में समाया हुआ है , यही कारण है कि पूर्वजों के द्वारा डाली गई यह सांस्कृतिक विरासत अभी तक निर्वाध गति से यात्रा कर रही है। सब की रामलीला यानी अपनी रामलीला का भाव बोध कराती है । इस रामलीला की सबसे खास विशेषता यह है कि फूहड़ता को बिल्कुल भी नहीं परोसा जाता।

रामचरितमानस के माध्यम से ही रामलीला का मंचन होता है, गांव के ही श्री बृजभूषण सिंह परिहार अकेला ने बताया है कि बड़े देव बाबा का मेला और रामलीला का ऐतिहासिक साक्ष्य और मेल है ,जो शोध का विषय है। कानपुर देहात में इतना बडा मेला कही नहीं लगता, करीब 50 हजार दर्शनार्थियों की भीड़ मेला में होती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 **Email:** swarajindia2023@gmail.com **Mob:** 7800009853, **Website:** www.swarajindianews.com (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

थियेटर केवल अभिनय नहीं, बल्कि लोगों की पहचान करने की कला सिखाता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। एलेन हाउस पब्लिक स्कूल, खलासी लाइन में आयोजित सिनोवो फिल्म महोत्सव रविवार को उस वक्त खास हो गया, जब 'पंचायत' वेब सीरीज में प्रह्लाद चा के किरदार से मशहूर अभिनेता फैज़ल मलिक मंच पर पहुंचे। बच्चों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि थियेटर केवल अभिनय नहीं, बल्कि लोगों की पहचान करने की कला सिखाता है। इससे बड़ा कोई पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोर्स नहीं है, बच्चों को इसे जरूर सीखना चाहिए।

» कानपुर आए पंचायत वेब सीरीज के चर्चित पात्र 'प्रह्लाद चा' फैज़ल मलिक

» तहरी और खीरकदम की मिठाई खूब पसंद आई, कहा, पंचायत का नया सीजन जल्द

प्रयागराज के रहने वाले फैज़ल ने कहा कि संगम नगरी से माया नगरी तक का सफर यादगार रहा और इसमें उनके माता-पिता का मजबूत समर्थन सबसे बड़ी ताकत बना। कानपुर प्रेम का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें कनपुरियों की अलग ही अदाएं पसंद हैं। अपनी पसंदीदा डिश बताते हुए बोले तहरी मेरी जान है, इसे 365 दिन खा सकता हूं। इसके साथ ही उन्होंने खीरकदम की मिठाई और फास्ट फूड का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जहां भी जाता हूं, खीरकदम

ढूंढता रहता हूं।ओटीटी पर करियर को लेकर फैज़ल मलिक ने कहा कि तकनीक ने रचनाकारों के लिए नया प्लेटफॉर्म दिया है, जिसका भविष्य बेहद मजबूत है। उन्होंने बताया कि 'पंचायत' वेब सीरीज का अगला सीजन जल्द रिलीज़ होने वाला है। कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों और शिक्षकों को फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए। फिल्म महोत्सव की थीम 'फ्रॉम स्क्रिप्ट टू स्पॉटलाइट' रही। कार्यक्रम में अराउंड द वर्ल्ड प्रस्तुति ने सभी का दिल जीत लिया, जिसमें कक्षा 3 से 8 तक के बच्चों ने दुनिया भर की संस्कृतियों को रचनात्मक तरीके से पेश किया। बरेली, झांसी, उन्नाव, गाजियाबाद और कानपुर के कई स्कूलों ने इसमें भाग लिया।

महोत्सव में कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें आर्यन इंटरनेशनल स्कूल वाराणसी प्रथम, डीपीएस गोमती नगर लखनऊ प्रथम उपविजेता और डीपीएस इंदिरानगर द्वितीय उपविजेता रहा। विद्यालय की निदेशिका नौशीन शादाब कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

गोदाम में छापा मारकर पकड़ी विस्फोटक सामग्री

» पटाखा बनाने को उपकरण भी मिले, आरोपी पुलिस को चकमा देकर भागा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना मंगलपुर पुलिस व एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से मुखबिर की सूचना पर एक घर-गोदाम पर छापामारी कर 12 कुंतल अवैध विस्फोटक पदार्थ पटाखा व पटाखा बनाने के उपकरण तथा एक कार बरामद की है। घर का मालिक पुलिस को चकमा देकर मौके से भाग निकला। उसके विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

यह घर-गोदाम बड़ा चौराहा झींझक कस्बा निवासी हर्ष गुप्ता का बताया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय व क्षेत्राधिकारी राजीव सिरोही के पर्यवेक्षण में पुलिस लगातार अवैध विस्फोटक पदार्थ के भंडारण पर नजर रख रही थी। इसी क्रम में रविवार को थाना मंगलपुर पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने बड़ा चौराहा झींझक कस्बे में आयुष उर्फ हर्ष गुप्ता के घर/गोदाम में छापामारी कर लगभग 12 कुंतल अवैध विस्फोटक पदार्थ, पटाखा बनाने के उपकरण इत्यादि बरामद कर लिया।

टीम ने आरोपी द्वारा प्रयोग की जा रही कार भी बरामद कर ली है जिसे आरोपी छोडक़र मौके से फरार हो गया था। कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार व उनकी टीम तथा एसओजी प्रभारी जयप्रकाश शर्मा की टीम रही। अब पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

मोबाइल टावर होने के बाद भी क्षेत्र का नेटवर्क बता रहा नो सर्विस

» संचार संकट से जूझ रहे दर्जनों गांव, ग्रामीणों का पनप रहा आक्रोश

एयरटेल कंपनी के अधिकारियों से नाराजगी व्यक्त करते ग्रामीण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। क्षेत्र में स्थापित एयरटेल का टावर होने के बावजूद समूचे इलाके में नेटवर्क न आने से हजारों ग्रामीण गंभीर संचार संकट से जूझ रहे हैं।

मोबाइल नेटवर्क का लगभग शून्य होना न केवल दैनिक कार्यों को बाधित कर रहा है, बल्कि विद्यार्थियों की पढ़ाई, किसानों की ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और आपातकालीन संपर्क व्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है।

नेटवर्क विफलता का सबसे अधिक दुष्प्रभाव जिन गांवों में देखा जा रहा है, उनमें मोहाना, हिममापुरवा, पृथ्वीपुरवा, जमरेही, विजयनगर, पतरा, तिलौची आदि प्रमुख हैं। इन गांवों में नेटवर्क का अभाव इतना गहरा है कि मोबाइल फोन नो सर्विस मोड से बाहर ही नहीं आते।

इन गांवों के ग्रामीण बताते हैं कि महीनों से नेटवर्क की स्थिति बदतर बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने कहा कि टावर लगने के बाद उम्मीद थी कि नेटवर्क मजबूत होगा, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। लगातार दबाव बढऩे के बाद एयरटेल कंपनी के पदाधिकारी हाल ही में स्थल निरीक्षण के लिए पहुंचे। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हुई और लोगों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी तीखी नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों का कहना था। टावर खड़ा है लेकिन नेटवर्क गायब है। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि यदि 15 दिनों में स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से प्रशासनिक अधिकारियों व दूरसंचार विभाग के समक्ष व्यापक विरोध-प्रदर्शन करेंगे।

जागरूकता

गुड पुलिसिंग की मिसाल

सड़क सुरक्षा पर गाजियाबाद पुलिस का अनोखा अभियान

» पूरा शहर बना जागरूकता की पाठशाला

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कार्यक्रम का नेतृत्व पुलिस आयुक्त रविंदर गौड़ और एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी ने किया

गाजियाबाद। कमिश्नरेट में सुबह रामलीला मैदान, कविनगर एक अनोखे और प्रेरणादायक दृश्य का गवाह बना। यातायात जागरूकता माह के तहत आयोजित वॉकथॉन में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और शहर के नागरिकों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। सुबह आठ बजे जैसे ही हरी झंडी दिखी, हजारों कदम सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर शहर की सड़कों पर उतरे।

भीड़भाड़ वाले बाजारों, चौराहों और बस स्टॉप से गुजरती इस रैली ने शहर को मानो एक दिन के लिए सुरक्षा की पाठशाला में बदल दिया। हाथों में स्लोगन लिए बच्चे, सुरक्षा संदेश देते पुलिसकर्मी और साथ-साथ चलते नागरिक—सभी एक ही आवाज में कहते दिखे फ्सुरक्षित चलो, सुरक्षित पहुंचोज हेलमेट लगाओ, जान बचाओ।

कार्यक्रम का नेतृत्व पुलिस आयुक्त रविंदर गौड़ और एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी ने किया। समाज में अपनी ईमानदार, संवेदनशील और कर्मठ छवि के लिए पहचाने जाने वाले एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने इसे पुलिस-जन सहयोग का शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि बढ़ते यातायात दबाव और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन अत्यंत आवश्यक है। फ्दुर्घटना की सबसे बड़ी वजह लापरवाही है। जागरूकता ही सड़क सुरक्षा की पहली शर्त है—और बच्चे इस संदेश को सबसे प्रभावशाली तरीके से आगे ले जाते हैं, उन्होंने कहा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे अभियान केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि शहर को सुरक्षित बनाने की दिशा में निरंतर चलने वाला जनआंदोलन हैं। गाजियाबाद पुलिस की इस पहल ने न सिर्फ लोगों को जोड़ा, बल्कि यह भी साबित किया कि गुड पुलिसिंग केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने की सक्रिय जिम्मेदारी भी है।

स्वराज इंडिया अख़बार के लिए यह अभियान एक सकारात्मक उदाहरण है कि जब पुलिस और समाज साथ चलें, तो जागरूकता खुद एक परिवर्तन का माध्यम बन जाती है। गाजियाबाद पुलिस का यह प्रयास न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि अन्य जिलों के लिए अनुकरणीय भी।

जालौन के डीएम ने मुख्यमंत्री योगी से की शिष्टाचार भेंट

» जिले की विकास परियोजनाओं पर हुई अहम चर्चा

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/उरई। बुंदेलखंड क्षेत्र के महत्वपूर्ण जिला उरई जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर मुलाकात की। शांत, मृदुभाषी और न्यायप्रिय स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले डीएम राजेश पाण्डेय की इस शिष्टाचार भेंट के दौरान जिले में चल रही विकास परियोजनाओं और कई संवेदनशील मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने जिले के विभिन्न कार्यों की प्रगति तथा प्रशासनिक प्राथमिकताओं को लेकर डीएम से जानकारी ली। दोनों के बीच जनहित से जुड़ी योजनाओं को अधिक प्रभावी तरीके से लागू करने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

मुलाकात के दौरान डीएम राजेश पाण्डेय ने मुख्यमंत्री को अपने पुत्र के वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, जिसे मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक स्वीकार किया।

इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात को जिले के विकास और प्रशासनिक तालमेल को मजबूती देने वाली महत्वपूर्ण भेंट के रूप में देखा जा रहा है।

बिहार की बदली राजनीति में मोदी फैक्टर और संगठन बना जीत का आधार

» बदलाव सिर्फ सीटों में बढ़त का मामला नहीं, बल्कि बिहार की राजनीतिक संरचना में आए व्यापक वैचारिक परिवर्तन का संकेत है

» भाजपा अब बिहार को पूर्वी भारत के प्रमुख राजनीतिक केंद्र के रूप में देख रही है

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। बिहार की राजनीति में इस बार सबसे बड़ा बदलाव यह देखने को मिला कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने खुद को राज्य की नंबर वन पार्टी के रूप में स्थापित कर लिया है। यह बदलाव सिर्फ सीटों में बढ़त का मामला नहीं, बल्कि बिहार की राजनीतिक संरचना में आए व्यापक वैचारिक परिवर्तन का संकेत है। दशकों से जातीय समीकरणों पर आधारित रहने वाली राजनीति अब विकास, नेतृत्व और हिंदुत्व के नए विमर्श की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है और इस परिवर्तन का सबसे बड़ा लाभ भाजपा को मिला है।राज्य में बीजेपी के उभरने के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सबसे अहम रही। मोदी के सबका साथ, सबका विकास के नारे ने जातिगत दायरों से ऊपर उठकर एक नई राजनीतिक सोच को जन्म दिया है। बेरोजगारी, पलायन और विकास जैसे मुद्दों से जूझ रहे बिहार के मतदाताओं में मोदी की छवि भरोसे और परिवर्तन के प्रतीक के रूप में उभरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मन की बात और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री के सीधे संवाद ने भाजपा के प्रति एक स्थायी आकर्षण पैदा किया है।

संगठनात्मक रूप से भी भाजपा ने पिछले वर्षों में बिहार में मजबूत पैठ बनाई है। बूथ स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ताओं, आरएसएस की वैचारिक मौजूदगी और केंद्र की योजनाओं के प्रभाव ने पार्टी के आधार को व्यापक बनाया है। उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं का असर उन गरीब परिवारों पर साफ दिखाई दे

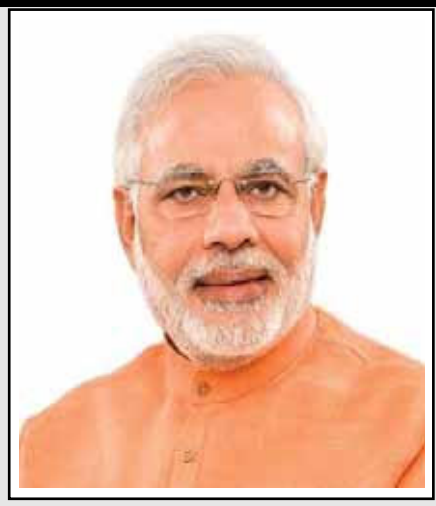

रहा है जो पहले विपक्ष के पारंपरिक वोटर माने जाते थे।

2020 विधानसभा और 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों ने यह साफ कर दिया था कि भाजपा जेडीयू से आगे निकल चुकी है। अब 2025 के चुनावी माहौल ने इस प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। वहीं, विपक्षी दलों की कमजोर रणनीति और आंतरिक मतभेदों ने भाजपा की राह और आसान कर दी। महागठबंधन जातीय समीकरणों पर जोर तो देता रहा, लेकिन वह विकास या नेतृत्व के मुद्दे पर प्रभावी नैरेटिव गढ़ने में असफल रहा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने बिहार में जातीय राजनीति को नकारा नहीं, बल्कि उसके समानांतर विकास और राष्ट्रवाद की ऐसी धारा तैयार की जिसने नए मतदाताओं खासकर युवाओं को अपनी ओर खींचा। पार्टी ने स्थानीय स्तर पर पिछड़े और दलित नेतृत्व को आगे लाकर सामाजिक प्रतिनिधित्व का विस्तार भी किया।राज्य की 40 लोकसभा सीटों को देखते हुए यह राजनीतिक बदलाव आने वाले वर्षों में बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। भाजपा अब बिहार को पूर्वी भारत के प्रमुख राजनीतिक केंद्र के रूप में देख रही है। यदि विपक्ष कोई ठोस वैकल्पिक रणनीति नहीं बना पाया, तो 2029 का लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए बिहार में अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन साबित हो सकता है।

कुल मिलाकर, बिहार की बदली राजनीति में भाजपा सबसे बड़े लाभ की स्थिति में है। मोदी का करिश्मा, संगठन की क्षमता और केंद्र की योजनाओं की जमीनी पकड़ — तीनों ने मिलकर बिहार में भाजपा को स्थायी राजनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया है।

विपक्ष की कमजोरी ने बढ़ाई बीजेपी की बढ़त

राजद और उसके महागठबंधन की रणनीति अब पुरानी पड़ती दिख रही है।

मुस्लिम-यादव समीकरण, जिस पर कभी पार्टी का संपूर्ण अस्तित्व टिका था, अब उस वर्ग में भी दरारें दिखाई देने लगी हैं।

युवाओं और प्रथम बार मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है, जो खुद को नए भारत की राजनीति से जोड़कर देख रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन की अंदरूनी मतभेद और स्पष्ट वैकल्पिक नैरेटिव की कमी ने भी भाजपा को निर्णायक लाभ पहुंचाया।

बिहार की 40 लोकसभा सीटों में भाजपा आज अकेले सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है।

पार्टी अब बिहार को केवल सहयोगी राज्य के रूप में नहीं, बल्कि पूर्वी भारत के राजनीतिक केंद्र के रूप में देख रही है।

अगर वर्तमान रुझान ऐसे ही जारी रहे, तो 2029 का लोकसभा चुनाव बिहार में भाजपा के लिए अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन साबित हो सकता है।

विचारधारा और नेतृत्व का संतुलित मॉडल

बिहार में भाजपा का नंबर वन बनना महज राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि विचारधारा और संगठन के मिलन का परिणाम है।

मोदी का करिश्मा, केंद्र की योजनाओं की जमीनी पहुंच, और पार्टी की संगठनात्मक मजबूती ये तीनों मिलकर बिहार की राजनीति का नया संतुलन तय कर रहे हैं।

यह संतुलन जातीय राजनीति से ऊपर उठकर एक ऐसे युग की घोषणा करता है, जिसमें फ्विकास और राष्ट्रवादफ्र बिहार की नई पहचान बन चुके हैं।

» बैठक में सडक़, लाइट व अन्य कार्यों पर लगी मुहर

» पार्षदों ने कर्मचारियों की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

नगर निगम बोर्ड बैठक में रामनगरी की सूरत बदलने के प्रस्ताव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम बोर्ड की गांधी सभागार में हुई बैठक में इस वित्तीय वर्ष में पार्षदों के प्रस्ताव पर हर वार्ड में 10 लाख रुपये तक के विकास कार्य कराने का निर्णय लिया गया। सुंदरीकरण हो चुके रामनगरी के नौ कुंडों को भी रखरखाव के लिए नगर निगम के अधीन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने की।

बैठक में नगर निगम की आय बढ़ाने पर जोर दिया गया। महापौर ने कहा कि अयोध्या सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व स्तर पर उभरा है। जीएसटी आय में वृद्धि के साथ 25 नवंबर को होने वाले बड़े आयोजनों के कारण होमस्टे की बुकिंग बढ़ी है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिल रहा है।

उन्होंने नगर निगम का एक हजार करोड़ का बजट लक्ष्य भी रखा। बैठक में पार्षदों ने कई मुद्दे उठाए। पूर्व उपसभापति जयनारायण सिंह ने विकास निधि का प्रश्न रखा। सपा पार्षद रामभवन यादव ने सीवर लाइन डालकर सडक़ें खराब छोड़ देने का मुद्दा उठाया।

सपा दल के नेता विशाल पाल ने सडक़ निर्माण में चयन प्रक्रिया पर मनमानी का आरोप लगाया। नगर आयुक्त ने बताया कि डेढ़ सौ सडक़ों का प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन शासन से 45 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिलने के कारण कुछ सडक़ें कम करनी पड़ीं।

भाजपा पार्षद चंदन सिंह, अनिल सिंह और सपा पार्षद विशाल पाल के प्रस्ताव पर नगर निगम की छवि खराब करने वाले कर्मचारियों की पहचान कर कार्रवाई करने पर सदन ने सहमति जताई। कई पार्षदों ने कार्यदायी संस्था 'छात्र शक्ति' के कार्यों पर सवाल उठाए। नगर आयुक्त ने कहा कि अपर आयुक्त को पार्षदों के साथ स्थल निरीक्षण के लिए भेजा जाएगा। बैठक में प्रकाश पोलों की जांच के लिए कमेटी बनाने, पॉलिथीन की थोक बिक्री पर नियंत्रण तथा छोटे दुकानदारों को अनावश्यक रूप से परेशान न करने की बात भी कही गई। पार्षद चंदन सिंह ने दर्शननगर से रीडगंज तक लाइट न जलने और देवकली–रीडगंज ओवरब्रिज के अधूरे नाले पर सवाल उठाया। चर्चा में पार्षद अनुज दास, मनीष सिंह, सूर्यकुमार तिवारी सूर्या, विकास कुमार, अर्चना, मनीषा, अभिनव पांडे, अंकित त्रिपाठी और अमित कुमार ने हिस्सा लिया।

कार्यालय निर्माण के लिए 50 करोड़ मिले

नए कार्यालय भवन निर्माण के लिए स्वीकृत 108 करोड़ रुपये में से 50 करोड़ सरकार दे चुकी है। विकास प्राधिकरण का 28 करोड़ भी अवमुक्त कर दिया गया है, जबकि नगर निगम के हिस्से का 28 करोड़ लंबित है। नगर विकास मंत्री ने धनराशि जारी करने पर सहमति जताई है। भवन के फर्नीचर के लिए 5 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई है।

देवकली अंडरपास को दिया नया नाम

बोर्ड ने निर्णय लिया है कि तुलसी स्मारक कन्या इंटर कॉलेज में समाजसेवी कृष्णारानी शर्मा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। देवकली अंडरपास का नाम बलिदानी सैनिक जगदंबा प्रसाद पांडेय के नाम पर रखा जाएगा।

अयोध्या में तीन दिन रहेंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत

» पीएम मोदी संग करेंगे समारोह में शिरकत, राममंदिर ध्वजारोहण से पूर्व रामनगरी में चल रही है व्यापक तैयारियां

» गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस, शताब्दी वर्ष समीक्षा और सरयू तट पर 5100 बत्ती की महाआरती से गूंजेगी पवित्र नगरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामलला की पावन धरती अयोध्या इन दिनों आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रधर्म की भव्यता से आलोकित है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत 23 नवंबर की शाम तीन दिवसीय प्रवास पर रामनगरी पहुंचेंगे। आगामी 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण में उनकी सहभागिता इस पर्व को और अधिक गरिमामय बनाएगी।

23 नवंबर को संघ कार्यालय साकेत निलयम में प्रवास के बाद 24 नवंबर को वह गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड में आयोजित गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस के विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे। संत–समाज,

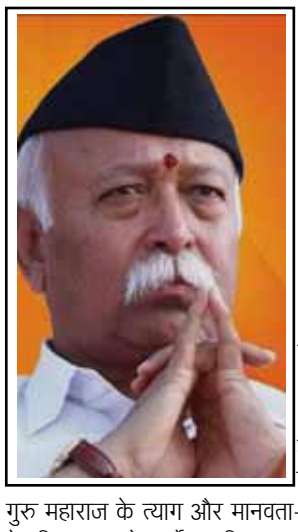

सिख समुदाय और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में संघ प्रमुख गुरु महाराज के त्याग और मानवता–धर्म की रक्षा हेतु दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान पर अपने विचार रखेंगे। श्री भागवत के इस प्रवास का महत्वपूर्ण पक्ष संघ के शताब्दी वर्ष (2025) की तैयारियों की समीक्षा भी है।

अयोध्या सहित पूर्वांचल में होने वाले प्रशिक्षण, सेवा कार्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम और समाज–संपर्क अभियानों की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए वह प्रांत प्रचारकों व पदाधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक करेंगे। संघ के शताब्दी वर्ष के प्रमुख केंद्र के रूप में अयोध्या को विशेष महत्व दिया गया है।

हर घर की छत पर भगवा ध्वज

इधर राममंदिर में 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह को लेकर पूरी रामनगरी उत्सव के रंग में रंग चुकी है। हर घर की छत पर भगवा ध्वज फहराने की तैयारी है।

ऐसे में दिव्य वातावरण साकार किया जा रहा है। सिंहासन मंडप, स्वागत द्वार और परिक्रमा पथ को विशेष प्रकाश से सजाया जा रहा है। हनुमानगढ़ी, कनकभवन और रामकोट क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों की भी भव्य सजावट की जा रही है।

सुरक्षा एजेंसियाँ लगातार निगरानी में हैं। मुख्य मार्गों की सफाई, रंगाई और यातायात प्रबंधन की तैयारी जोर पर है, ताकि प्रधानमंत्री के आगमन के समय अयोध्या का प्रत्येक स्थल स्वच्छ, सुसज्जित और सांस्कृतिक सौंदर्य से ओतप्रोत दिखाई दे।

सरयू मैया का विशेष अभिषेक–पूजन

सरयू तट पर सहस्त्रधारा घाट पर बने नए आरती मंच पर 5100 बत्ती की महाआरती आयोजित होगी। संगमरमर की नौ वेदियों से सुसज्जित यह घाट समारोह के दिव्य वैभव को और विस्तार देगा। आंजेनय सेवा संस्थान के महंत शशिकांत दास ने बताया कि ध्वजारोहण के दिन सरयू मैया का विशेष अभिषेक–पूजन भी किया जाएगा।

धर्म, संस्कृति और राष्ट्रभावना की संयुक्त धारा में प्रवाहित यह समूचा आयोजन अयोध्या को पुन: आध्यात्मिक उत्सवभूमि बनाकर समूचे देश को संदेश दे रहा है अयोध्या जागी है, रामभक्ति के दीप पुन: प्रज्वलित हुए हैं।

स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाने वाली महक को हिंदू संगठनों ने दिए उपहार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। विगत दिनों स्वयं की इच्छा से इस्लाम त्यागकर सनातन धर्म में लौटी एनम्मा, अब महक नाम से नई पहचान के साथ अपना जीवन आगे बढ़ा रही हैं। सनातन धर्म में सम्मिलित होने के पश्चात महक ने अभिषेक नामक युवक से मंदिर में हिंदू रीति–रिवाज के अनुसार विवाह किया और अपना गृहस्थ जीवन प्रारंभ किया। वर्तमान समय में महक प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के संरक्षक राजेश सिंह मानव के संरक्षण में रह रही हैं।नवदंपति महक और अभिषेक को सहयोग देने को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारी उनके आवास पहुंचे। इस अवसर पर विहिप–बजरंग दल के जिला मंत्री लालजी शर्मा,बजरंग दल के जिला संयोजक सूर्यकांत पांडे,श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के अध्यक्ष, संगठन मंत्री, संरक्षक एवं कोषाध्यक्ष प्रभाकर सिंह ने महक को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री, वस्त्र और नवजीवन के लिए उपहार भेंट किए। संगठन पदाधिकारियों ने नवदंपति को आशीर्वाद देते हुए महक के साहस और नए जीवन के निर्णय की सराहना की। महक के सनातन धर्म स्वीकारने और सामाजिक सहयोग मिलने की चर्चा स्थानीय स्तर पर खूब हो रही है।

बीबीडी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए सीएम योगी

जारी रहेगी विकास यात्रा...! हम लकीर के फकीर नहीं बन सकते

युवाओं को दिया सक्सेस मंत्रा: कहा- समस्याओं पर नहीं, समाधान पर करें फोकस

» रतन प्रकाश सिंह, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सोमवार को बाबू बनारसी दास (बीबीडी) विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। साथ में मंच पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान सीएम योगी ने कहा, हमें समाधान की तरफ जाना होगा। समस्या की तरफ जाएंगे तो समस्या ही मिलेगी। उन्होंने कहा आज यूपी केंद्र की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में तीसरे नंबर पर है। दुनिया जब सबसे बड़ी महामारी के साये में जी रही थी। तब भारत कोविड प्रबंधन के साथ भारत नेशनल एजुकेशनल पालिसी को भी बना रहा था। दीक्षांत समारोह के दौरान दो बैच के 5746 छात्रों को उपाधि दी गई। साथ ही उन्हें मेडल से नवाजा गया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आज आप देखते होंगे कि स्पोर्ट्स लोगो के दिनचर्या का हिस्सा बनता जा रहा है, अखिलेश दास जी यूनियन कैबिनेट में जब थे, उस समय मुझे भी सांसद के रूप में देश की संसद में रहने का अवसर प्राप्त हुआ था। उन्होने कहा, हम लकीर के फकीर नहीं बन सकते है, आपने भारत की विकास यात्रा को 11 वर्षों में देखा है, मोदी जी ने देश के अंदर डिजिटल इंडिया मिशन को आगे बढ़ाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय के

टेक्नोलॉजी के साथ युवाओं को संस्कारों से भी जोड़ें

दीक्षांत समारोह में युवाओं को 'शिक्षक' के रूप में रास्ता दिखाया। उन्होंने युवाओं को हमेशा प्रयास करते रहने की सीख दी। कहा कि प्रयास करने से सब कुछ हो सकता है। जीवन में सफलता के दो ही मार्ग हैं। समाधान की तरफ जाएंगे तो सफलता प्राप्त होगी। समस्या को बार-बार गिनाते रहेंगे तो सफल नहीं हो सकते। समस्या की बजाय समाधान पर ध्यान दीजिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीक्षांत समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास, विश्वविद्यालय के रचनाकार पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश दास गुप्ता को भी याद किया। सीएम योगी ने 2011 में विश्वविद्यालय बनने के बाद से यहां के एकेडमिक एक्टिविटीज व खेल की तारीफ की। सीएम योगी ने कहा कि यह केवल दीक्षांत समारोह नहीं है बल्कि इंडियाज ट्रांसफॉर्मिंग जनरेशन का एक उदाहरण भी है। जो विद्यार्थी उपाधि प्राप्त करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, आने वाले समय में उनके विजनरी लीडरशिप में देश-प्रदेश नई गति प्राप्त करेगा। सीएम योगी ने भारत की प्राचीन गुरुकुल प्रणाली के समावर्तन समारोह और उसके परिवर्तित रूप दीक्षांत समारोह की भी व्याख्या की। उन्होंने कहा कि हम जो करते थे, दुनिया उसका अनुसरण करती थी।

सीएम योगी ने कहाकि यह केवल रूटीन की डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान नहीं है। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के नए हब के रूप में बीबीडी को स्थापित करने के लिए नया प्रयास प्रारंभ हुआ है। दुनिया तकनीक को तेजी से अपना रही है। दुनिया जहां जा रही है, हम उससे 10 कदम आगे की सोच लेकर चलेंगे, तब दुनिया हमारा अनुगमन करने को मजबूर होगी। 11 वर्ष में भारत की विकास यात्रा का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि इसे देख दुनिया भी उसके पीछे चलने के लिए खुद को मजबूर करती है। सीएम योगी ने 2014 के पहले व बाद में देश के प्रति आई धारणा का जिक्र किया। बोले कि लोगों की हताशा व निराशा को आशा व उत्साह में भरने का कार्य 2014 के बाद देखने को मिला।

सीएम ने हर क्षेत्र में एआई की उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि यह आज की आवश्यकता है, लेकिन वह आपके द्वारा संचालित हो, आप उसके द्वारा न संचालित हो। दीक्षांत समारोह में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कुलाधिपति अलका दास, प्रति कुलाधिपति विराज सागर दास, उपाध्यक्ष सोनाक्षी दास गुप्ता, देवांशी दास गुप्ता, कुलपति प्रो. एसके श्रीवास्तव, प्रति कुलपति प्रो. एससी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने बच्चों को बांटे मेडल व डिग्री

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान बच्चों को मेडल व डिग्री प्रदान किया। सीएम के हाथों अवार्ड पाने वालों में मुस्कान साहू, पेशवानी शर्मा, सुमि गौर, जीविदा शुक्ला, स्मारिका सक्सेना, इंशा इमरान, मधुलिका, ऋषिता अस्थाना, नैना सिंह, विभव दुबे, पल्लवी राय, नीरज कुमार कुशवाहा, वर्तिका गुप्ता, वैष्णवी यादव, शुभम शुक्ला, वैष्णवी श्रीवास्तव, सारा मेहंदी आदि शामिल रहीं। वहीं डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित होने वालों में मयंक जयपुरिया, अमृता यादव, मंजू भारद्वाज, श्वेता सिंह, ऊषा अरुणिमा, आलोक शरण, समीक्षा गुप्ता, ओजस्विनी पाल, शैलजा पांडेय, नेहा शर्मा, आफरीन हसन, फरहीन आजाद, सारा जैदी, अनुकृति मिश्रा शामिल रहीं।

लुलु मॉल में डॉल्स ऑफ इंडिया का सफल आयोजन हुआ सम्पन्न

बच्चों को कला और संस्कृति की विरासत से जोड़ा गया

अनोखा बाल दिवस

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। बाल दिवस के अवसर पर लुलु मॉल, लखनऊ में डॉल्स ऑफ इंडिया का आयोजन किया गया। यह एक अनोखा सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक गुड़िया-निर्माण कला, शिल्प विरासत और सतत् हस्तकला को सम्मान देना था। इस पहल में सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल्स ने सहयोगी साझेदार के रूप में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में शिक्षा और रचनात्मकता का सुंदर समावेश हुआ।

14 से 16 नवंबर 2025 तक चले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में देशभर की 25 पारंपरिक गुड़ियों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिनमें हर गुड़िया अपनी विशेष कला शैली और कहानी को दर्शाती थी। बिहार की मंजूषा गुड़िया, झारखंड के छोऊ मुखौटे, राजस्थान और तेलंगाना की कठपुतलियां और अंडमान-निकोबार की जनजातीय गुड़ियां सभी ने भारत की सदियों पुरानी कला-संस्कृति को उजागर किया। प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण रहा उत्तर प्रदेश की मूनज घास से बनी मूनज डॉल्स। लुलु मॉल ने स्थानीय कारीगरों को मंच देकर इस विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

तीन दिनों के दौरान बच्चों और परिवारों को कई रचनात्मक, शिक्षाप्रद और मज़ेदार गतिविधियों में शामिल किया गया जिसमें बच्चों ने अपनी गुड़िया खुद बनाकर पारंपरिक तकनीकें सीखीं। मिट्टी से कला बनाने का पर्यावरणअनुकूल और कल्पनाशील अनुभव। और हंसी, संगीत और लोककथाओं से भरा लखनऊ के किसी भी मॉल में होने वाला पहला कठपुतली शो। इसके अलावा लाइव पॉटरी डेमोंस्ट्रेशन, कपड़े की गुड़िया बनाने की गतिविधि और ओरिगामी कलाकार की लाइव वर्कशॉप ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बनाया।

कार्यक्रम का उद्घाटन विशाख जी अय्यर, डीएम लखनऊ ने किया। इस दौरान आलोक शुक्ला डायरेक्टर एवं स्टेट हेड, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, शाहिद पथ की वाइस प्रिंसिपल, पंकज राठौर और मोनिका तनेहा मनकताला सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे।

आजम-अब्दुल्ला को पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

रामपुर। समाजवादी पार्टी के महासचिव आजम खां और बेटे अब्दुल्ला को सोमवार को बड़ा झटका लगा। दो पैन कार्ड मामले में रामपुर की अदालत ने दोनों को दोषी करार दिया है। सात-सात साल की सजा सुनाई और जेल भेज दिया। अब्दुल्ला का दो पैन कार्ड का मामला भाजपा विधायक आकाश सक्सेना की शिकायत पर सामने आया था। उन्होंने ही केस दर्ज कराया था।

अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामला सिविल लाइंस थाने में शहर के भाजपा विधायक आकाश सक्सेना की ओर से दर्ज कराया गया था। इस मामले में सपा नेता आजम खां भी आरोपी बनाए गए थे। 2019 में दर्ज केस की कोर्ट में सुनवाई लंबे समय से चल रही थी। अभियोजन की ओर से अंतिम बहस पूरी की जा चुकी थी, जबकि बचाव पक्ष की बहस भी पूरी हो गई तो एमपीएमएलए की विशेष अदालत ने 17 नवंबर की तारीख फैसले के लिए मुकर्रर की थी। भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को एक तहरीर देते हुए आरोप लगाया था कि आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम के पैन कार्ड में जन्म तिथि एक जनवरी 1993 है, जो कि शैक्षिक प्रमाणपत्र के आधार पर सही है। इसी पैन कार्ड से अब्दुल्ला ने आयकर के रिटर्न दाखिल किए हैं। वहीं, स्वार-टांडा से 2017 के विधानसभा चुनाव के नामांकन में प्रस्तुत पैन अलग है। यह पैन कार्ड बैंक पासबुक में धोखाधड़ी कर हाथ से लिखा गया था। नामांकन की तिथि पर यह पैन संचालित नहीं था। आरोप है कि अब्दुल्ला आजम ने अपने पिता आजम खां के साथ सुनियोजित षड़यंत्र के तहत चुनाव नामांकन आयु संबंधी अयोग्यता छिपाने के लिए कूटरचना कर जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 दर्शाते हुए दूसरा पैन कार्ड बनवाया था।

इस पैन कार्ड को आयु पूर्ण करने का लाभ लेने के लिए इस्तेमाल किया गया। सक्सेना की शिकायत के आधार पर सिविल लाइंस कोतवाली की पुलिस ने आजम खां और अब्दुल्ला आजम के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 120 बी के तहत रिपोर्ट दर्ज की थी।